

न्यूज ब्रीफ

कोटखाई में मनाया स्वतंत्रता दिवस



भरत नाकुर, कोटखाई। स्वतंत्रता दिवस पर कोटखाई में घजारोडण कोटखाई कार्यकारी एसीएम ललित कुमार ने किया, साथ ही राजकीय कवच विदायल कोटखाई की छात्राओं द्वारा राष्ट्रीय गण व समूह गण गया। कार्यक्रम में मंच संस्थान की भूमिका राष्ट्रीय कवच विदायल के अंतर्याम यशस्वान शमाने की।

मॉर्डन चिल्ड्रन होम मशोबरा में विशेष कार्यक्रम आयोजित



अनंत ज्ञान, शिमला। जिला उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप एवं पुलिस अधीक्षक शिमला संस्कृत कुमार गोपी ने जिला प्रशासन के तमाम अधिकारियों ने आज मॉर्डन चिल्ड्रन होम मशोबरा में चिल्ड्रन अफ द स्टॅट के संग स्वतंत्रता दिवस मनाया। रिज मैदान पर जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस के समाप्त उपर्युक्त अनुपम कश्यप के नेतृत्व में प्रिया प्रशासन मॉर्डन होम मशोबरा की छात्राओं के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए पहुंचे।

भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री ने फहराया तिरंगा



अनंत ज्ञान, शिमला। भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री सिहार्धन वे प्रदेश मुख्यालय पर तिरंगा फहराया। इस अवसर पर भाजपा गोपी नाना ने जिला शिमला 15 अगस्त 2024 वीरता का एक दिवानीय यात्रा का प्रारंभ करके जारी की। यह तिरंगा यात्रा जिला स्तरीय रहेगी।

एसएफआई ने निकली तिरंगा यात्रा



अनंत ज्ञान, शिमला। स्ट्रॉकेट्स फेडरेशन अफ इंडिया (एसएफआई) हिमाचल प्रदेश राज्य समिति ने आजादी की 77वीं वर्षगांठ मनाने हुए 723 छात्रों के साथ तिरंगा यात्रा निकाली व अमरहील में पौर्णायण किया।

शहीद हुए स्वतंत्रता सेनानियों को किया याद



अनंत ज्ञान, शिमला। आईपीएमसी में स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस उपलक्ष्य में आईपीएमसी की प्रायानाचार्य डॉ. सीता ठाकुर ने ध्वजारोहण किया व राष्ट्रगान गया गया। इस दौरान शहीद हुए स्वतंत्रता सेनानियों को भी याद किया गया और श्रद्धांजलि दी गई।

बैहना जटा में 62 पेटी अवैध शराब बरामद

अनंत ज्ञान, शिमला। इंडिया पुलिस थाना इंडिया के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र बैहना जटा में पुलिस ने गश्त के दोरान 62 पेटी अवैध शराब पकड़ी है। जानकारी के अनुसार इंडिया पुलिस ने गश्त के दोरान 62 पेटी अवैध शराब पकड़ी है। उस समय चंडीगढ़-मनाली फोरेनिंग पर गश्त के दोरान 62 पेटी अवैध शराब पकड़ी है। इस अवसर पर परिवारों के अंतर्गत वह गश्त साइड से जाने लगा। इंडिया पुलिस ने उसे रोकने की कोशिश की, लैकिन वह अहीं रुका। इस परिवार के अंतर्गत वह गश्त साइड से जाने लगा। इंडिया पुलिस ने उसे रोकने की कोशिश की तो उसमें 50 पेटी छींडी शराब संतरां और 12 पेटी गर्वल स्टेंग की थी। टैंपो वालक की पहचान हस्ताक्षर पुत्र रेल यात्रा गोंद वडवां पोर्ट ऑफिस राटों, तहसील बहुल जिला मंडी के रुप में हुई है। पुलिस ने शराब को जब्त कर लिया है। इंडिया पुलिस ने एकसाइज एक्ट 39 के तहत मालामाल दर्ज कर लिया है।

रौद्रा सेक्टर में लगाया खीर-मालपुड़ी का भंडारा

अनंत ज्ञान, बिलासपुर। श्रावण माह के अंतिम दिन के साथ ही स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में गंत वीरयात्रा को खीर-मालपुड़ी के बंडारे का आयोजित किया गया। खाद्य के वार्ड-3 में उत्तम मूर्य की दुकान के द्वारा गोंद वाले ने खीर-मालपुड़ी को आयोजित की। इस अवसर पर भूतपूर्व सेविकों को सम्मानित किया गया।

घुमारवीं रामलीला को लेकर तैयारियां शुरू

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। घुमारवीं में हर साल आयोजित किए जाने वाले विशाल पर्व रामलीला बैठक को लेकर संविधानीय द्वारा तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इस बार इस मंच में अधिनय और साज सज्जा के साथ अधिकारियों ने आयोजित तैयारियों को प्रदान करने की विधियां दिया है। इसी अवसर को लेकर श्रीरामलीला द्वारा तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। जबकि नवोदयित कार्यकारियों और पदाधिकारियों ने आयोजन को भव्य तरीके से करने का संकल्प लिया। शरदीय नवारात्रों में होने वाले इस आयोजन को लेकर सभी कार्यकारियों एवं कलाकारों को सहोरा दीर्घित रहेगा। मंचन और बेहतर हो इसके लिए अगली बैठक में रिहर्सल और अन्य समितियों और उपसमितियों को गठन किया जाएगा।

दौलत स्कूल में मनाया स्वतंत्रता दिवस समारोह

बलवंत कम्ल, दौलत। पूर्व सेलिंक करत्यांग परिषित हिमाचल प्रदेश पर्व 7वां स्वतंत्रता दिवस राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठ्यालाल द्वारा मनाया कार्यक्रम की अवधिकारी के रूप में वेदार नियन्त्रित किया गया। पूर्व सेलिंक करत्यांग समिति के प्रदेश अध्यक्ष संजय कुमार ने मुख्य अधिकारी के रूप में वेदार नियन्त्रित किया गया। संस्कृत संजय द्वारा तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इस मौके पर परिषित के प्रदेश अध्यक्ष कर्तव्य द्वारा तैयारियां शुरू कर दी गयी हैं। इसी अवसर को लेकर संजय कुमार ने मुख्य अधिकारी के रूप में वेदार नियन्त्रित किया गया। इसी अवसर को लेकर संजय कुमार ने मुख्य अधिकारी के रूप में वेदार नियन्त्रित किया गया।

न्यूज ब्रीफ

अनंत ज्ञान, न्यूज ब्रीफ। स्वतंत्रता दिवस पर कोटखाई में घजारोडण कोटखाई कार्यकारी एसीएम ललित कुमार ने किया, साथ ही राजकीय कवच विदायल कोटखाई की छात्राओं द्वारा राष्ट्रीय गण व समूह गण गया। कार्यक्रम में मंच संस्थान की भूमिका राष्ट्रीय कवच विदायल के अंतर्याम यशस्वान शमाने की। मॉर्डन चिल्ड्रन होम मशोबरा में विशेष कार्यक्रम आयोजित

रिमला-बिलासपुर

हिमाचल देवभूमि के साथ वीरभूमि भी: अग्निहोत्री

अनंत ज्ञान व्यूरो, शिमला

जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस पर एतिहासिक रिज मैदान पर बड़े धौमारोडण कोटखाई कार्यकारी एसीएम ललित कुमार ने किया, साथ ही राजकीय कवच विदायल कोटखाई की छात्राओं द्वारा राष्ट्रीय गण व समूह गण गया। कार्यक्रम में मंच संस्थान की भूमिका राष्ट्रीय कवच विदायल के अंतर्याम यशस्वान शमाने की। मॉर्डन चिल्ड्रन होम मशोबरा में विशेष कार्यक्रम आयोजित



सलामी लेते हुए उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री।

खर्च रही है। उहोंने कहा जल जीवन मिशन के अंतर्गत शिमला में विभिन्न क्षेत्रों के लिए 771 करोड़ रुपए की लागत से 231 योजनाओं की बैठक सीटू कार्यालय शिमला में संपन्न हुई है। मतियाना-टियोंग क्षेत्र के सूखा प्रभावित क्षेत्र के लिए प्रदेश की सबसे बड़ी अग्निहोत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी।

उहोंने कहा कि आज का ऐतिहासिक दिन हमें सब की याद दिलाता है, जिसकी बैठक सीटू गोंद गहरा हुआ है।

उहोंने कहा कि आज का ऐतिहासिक दिन हमें सब की याद दिलाता है, जिसकी बैठक सीटू गोंद गहरा हुआ है।

उहोंने कहा कि आज का ऐतिहासिक दिन हमें सब की याद दिलाता है, जिसकी बैठक सीटू गोंद गहरा हुआ है।

उहोंने कहा कि आज का ऐतिहासिक दिन हमें सब की याद दिलाता है, जिसकी बैठक सीटू गोंद गहरा हुआ है।

उहोंने कहा कि आज का ऐतिहासिक दिन हमें सब की याद दिलाता है, जिसकी बैठक सीटू गोंद गहरा हुआ है।

उहोंने कहा कि आज का ऐतिहासिक दिन हमें सब की याद दिलाता है, जिसकी बैठक सीटू गोंद गहरा हुआ है।

उहोंने कहा कि आज का ऐतिहासिक दिन हमें सब की याद दिलाता है, जिसकी बैठक सीटू गोंद गहरा हुआ है।

उहोंने कहा कि आज का ऐतिहासिक दिन हमें सब की याद दिलाता है, जिसकी बैठक सीटू गोंद गहरा हुआ है।

उहोंने कहा कि आज का ऐतिहासिक दिन हमें सब की याद दिलाता है, जिसकी बैठक सीटू गोंद गहरा हुआ है।

उहोंने कहा कि आज का ऐतिहासिक दिन हमें सब की याद दिलाता है, जिसकी बैठक सीटू गोंद गहरा हुआ है।

उहोंने कहा कि आज का ऐतिहासिक दिन हमें सब की याद दिलाता है, जिसकी बैठक सीटू गोंद गहरा हुआ है।

उहोंने कहा कि आज का ऐतिहासिक दिन हमें सब की याद दिलाता है, जिसकी बैठक सीटू गोंद गहरा हुआ है।

उहोंने कहा कि आज का ऐतिहासिक दिन हमें सब की याद दिलाता है, जिसकी बैठक सीटू गोंद गहरा हुआ है।

उहोंने कहा कि आज का ऐतिहासिक दिन हमें सब की याद दिलाता है, जिसकी बैठक सीटू गोंद गहरा हुआ है।



आभार }

आरशीष दमेरी, संगदिवाता कांगड़ा

हिमाचल प्रदेश के लोकप्रिय समाचारपत्र अनंत ज्ञान द्वारा प्रकाशित विशेषांक में सहयोग देने पर सभी विज्ञापनदाता बंधुओं का हृदय से आभार।

राकेश डोग्रा
संगदिवाता डोह

समस्त प्रदेशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं



नीतू दमेरी

भज्पा महिला मोर्चा सह कोषाध्यक्ष
हिमाचल प्रदेश।

हजारों लोगों के योगदान और संघर्ष की बदौलत आजाद हुआ था भारत

हजारों लोगों के योगदान और संघर्ष की बदौलत भारत ने 15 अगस्त, 1947 को आजादी पाई, जब देश के अधे से अधिक लोग सो रहे थे। ब्रिटिश सरकार ने भारत को आजादी देने के लिए 15 अगस्त की ही तारीख को मनाते हैं और स्वतंत्रता दिवस को श्रद्धांजलि देते हैं। भारत की आजादी के इतिहास के एक जरूरी पहलू को उजागर करती है। लोग इस दिन अपनी आजादी का जश्न मनाते हैं और स्वतंत्रता दिवस को श्रद्धांजलि देते हैं। भारत की आजादी के इतिहास के अनुसार, भारत को 30 जून, 1948 को आजाद होना था लेकिन पंजाबहर लाल नेहरू और मोहम्मद अली जिना के बीच पाकिस्तान के बंटवारे को लेकर यैदा हुए तनाव और सांप्रदायिक दंगों के बढ़ते खबरें ने इस योजना को बदल दिया। जिना के पाकिस्तान को भारत से अलग करने की मांग के कारण लोगों में सांप्रदायिक झगड़े की संभावना काफी हुई तक बढ़ने लगी थी, जिसके चलते भारत को 15 अगस्त 1947 को ही आजादी देने का फैसला लिया गया था।

लोक निर्माण विभाग कांगड़ा
की तरफ से समस्त प्रदेशवासियों को
15 अगस्त की हार्दिक शुभकामनाएं

समस्त प्रदेशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं



समस्त प्रदेशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं



समस्त प्रदेशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं



समस्त प्रदेशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं

समस्त प्रदेशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं

APEX COMPUTER & TECHNICAL EDUCATION PVT. LTD.

Accredited By NIELIT/AICTE - ST 2425, Approved by CBSE, Affiliated to IGNOU (UGC)

GAV PUBLIC SCHOOL KANGRA

A Community Dedicated to Excellence in Education

AFFILIATED TO CBSE NEW DELHI

SCHOOL CODE - 41006

RASHMI 644/720 IIT JEE MAIN 98.2% ILE

JEE ADVANCE ALL INDIA RANK 6435

AKSHIT DHIMAN

Digital Literacy Courses (ACC, BCC, CCC, CCC+, ECC)

SHORT TERM TRAINING PROGRAM

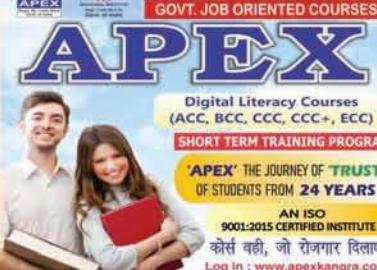
'APEX' THE JOURNEY OF TRUST OF STUDENTS FROM 24 YEARS

AN ISO 9001:2015 CERTIFIED INSTITUTE

कोर्स वर्षी, जी रोमान, लिएप

Log In : www.apexkangra.com

GHURKARI-MATOUR-KANGRA, (TEL) 01892-260225, 9418007746



की ओर से समस्त प्रदेशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं



स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

स्वच्छ व सुंदर धर्मशाला

1. गीता कवरा प्रबंधन को अधिक प्रामाणी बनाने हेतु 5 टन प्रतिदिन क्षमता का वायोपैस प्लांट शुरू हो गया है। जिसमें 418 MT Wet Waste प्रोसेस हो चुका है।

2. धर्मशाला नगर निगम द्वारा लीज़ेरी वेस्ट को साफ करने के लिए M/S Santan Life को जून, 2023 में टैकर अर्डोर किया गया है। जिसमें 4814/ Legancy Waste प्रोसेस हो चुका है। इसके अलावा फर्म द्वारा 5233 MT RDF Cement Plant को भेज दिया है और धर्मशाला नगर निगम Dumping Site में 300 पौंड रोपण किया गया है।

3. धर्मशाला नगर निगम ने Door to Door Collection Transportation Street Sweeping 17 योजना में 4 वर्ष के लिए टैकर अर्डोर किया है। जिसमें 10 वर्ष तक लगातार 4 कोरेंट रूपए अंदावारी Vishal Protection Force को की जानी है। उपरोक्त कार्य माह अप्रैल से शुरू कर दिया गया है।

4. नगर निगम धर्मशाला के सौन्दर्यकरण के लिए दिनांक 28.07.2024 को नगर महोत्सव मनाया गया। जिसके तहत सभी 17 योजनाएं में 6000 पौंड लगाए गए हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी)

1. इस योजना के अंतर्गत अब तक 543 घर स्वीकृत हुए हैं।

2. 543 घरों में से 431 लोगों ने अपने घरों का निर्माण कार्य पूरा कर लिया है और 112 लोगों का गृह निर्माण कार्य प्रगति पर है।

3. धर्मशाला नगर निगम ने 431 घरों को निर्माण कार्य पूरा कर लिया है और 112 लोगों का गृह निर्माण कार्य प्रगति पर है।

संयुक्त आयुक्त, धर्मशाला नगर निगम
महापौर, धर्मशाला नगर निगम

MCM DAV COLLEGE, KANGRA (H.P.)

Happy Independence Day

I wish my countrymen a very Happy Independence Day. Let's salute to all those who sacrificed their lives to make the country free from the clutches of Britishers.



It is matter of pride and honour that MCM DAV College, Kangra has grown and evolved to become one of the most esteemed, prestigious and sought-after colleges of Himachal Pradesh as it provides a perfect blend of tradition and modern approach to education. Our College offers a high level of teaching-learning experience that is complimented by a wide range of co-curricular activities. Our College is running B.Sc, B.Com, BA, BCA, BHM and Post Graduate classes in the subjects of Physics, Chemistry, Mathematics, Botany, Zoology, Commerce, English, PGDCA & MBA. Every year our students get top positions in Dr. Baljeet Singh Principal

GCM Angel Public School Bhawarna

की ओर से समस्त प्रदेशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं



न्यूज ब्रीफ

इन्हर छोल वलब ने शहीदों को की पुष्पांजलि अर्पित



अनंत ज्ञान, ऊना। इन्हर छोल वलब ऊना ने स्थानीय एम्सी पार्क में स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर कलब सदस्यों ने शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर देखी तो एकता व अवधारणा के लिए अपनी जान घोड़ेवर करने वाले शहीदों को प्रणाली की प्रणाली किया। वही सदस्यों ने इस दौरान लोगों व बच्चों को तिराया डाई भी बाटे। इस अवसर पर कलब प्रयाण रसा कंवर, सचिव शोभा सोनी, कैशियर रेखा शर्मा, पूर्व प्रधान जिंठे कौर, अमरजीत बबली, मैनिका कौशल व अन्य सदस्य भी उपस्थित थे।

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में पौधे वितरित किए



अनंत ज्ञान, ऊना। 78वें स्वतंत्रता दिवस पर क्षेत्र के गांव चलोला में स्वतंत्रता दिवस गांवियों ने बहुत धूमधाम से मनाया। पूर्व विधायक एवं भाजपा वेता देवेंद्र भुट्टो ने मुख्यांतिथि के रूप में शिरकत की तथा ध्वजारोहण किया। इसके उपरान साम्यविकास गतिविधियों भी की गई। यह कार्यक्रम जन कल्याण संस्था हीप्रा द्वारा आयोजित किया गया। इसकी व्यवस्था कामान महेंद्र पॉल तथा श्याम घोड़ेवर और उनके साथी सदस्यों ने की। शाम चंदेल ने बताया कि इस उपलक्ष्य में उड्होने 50 पौधे चिलोला सिवियर सेकेंडरी स्कूल में तथा 50 अस्पताल के प्रांगण लगाए गए। समारोह में आप सभी लोगों को एक-एक पौधा भेट करके लगाए और 5 वर्ष तक उसका पालन-पोषण करने की शपथ भी दिलाई गई।

धूमधाम से मनाया स्वतंत्रता दिवस



ऊना। प्राचार्य मीता शर्मा की अशुवाई में राजकीय उत्कृष्ट महाविद्यालय ऊना में एनएसएस स्कूल टाटा गाइड द्वारा स्वतंत्रता दिवस मनाया गया।

थानाकलां में उपमंडल स्तर पर कार्यक्रम आयोजित



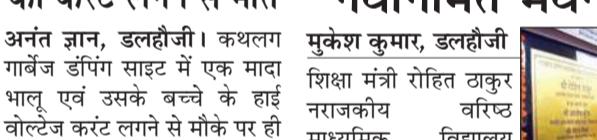
ऊना। थानाकलां वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में उपमंडल स्तर पर आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल विधायक विदेशी शर्मा छात्र कलाकारों के साथ।

क्रसना डायग्नोस्टिक लैब ऊना के कर्मचारी स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाते हुए।



ऊना। क्रसना डायग्नोस्टिक लैब ऊना के कर्मचारी स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाते हुए।

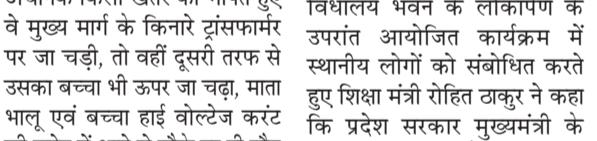
भालू और उसके बच्चे की करंट लगने से मौत



अनंत ज्ञान, डलहानी। कथलाग गार्डेज डॉपिंग साइट में एक मादा भालू और उसके बच्चे के हाई मौत का सामाना प्रकाश में आया है।

जानकारी अनुसार जब मादा भालू अपने बच्चों सहित गार्डेज डॉपिंग साइट में खाने की तलाश में थी कि अचानक किसी खतरे को भांती हुए वे मुख्य मार्ग के किनारे टास्सर्स रूप से उत्तर आये तो उसका बच्चा भी आपने बच्चा हाई बोल्टेज करंट में बढ़ाया तो उसका बच्चा भालू और उसका बच्चा भी आपने बच्चों में अपने सोमैक पर हाई मौत का शिकायत हो गए। वन विभाग द्वारा शवों को कब्जे कर दी गयी। वन विभाग की ओर सोमैक को अवाज से जंगल में भाग गए। वन विभाग संस्कारित करका कर दी गयी।

शिक्षा मंत्री ने किया कोहलड़ी स्कूल के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण



अनंत ज्ञान, डलहानी। कथलाग गार्डेज डॉपिंग साइट में एक मादा भालू और उसके बच्चे के हाई मौत का सामाना प्रकाश में आया है।

जानकारी अनुसार जब मादा भालू अपने बच्चों सहित गार्डेज डॉपिंग साइट में खाने की तलाश में थी कि अचानक किसी खतरे को भांती हुए वे मुख्य मार्ग के किनारे टास्सर्स रूप से उत्तर आये तो उसका बच्चा भी आपने बच्चा हाई बोल्टेज करंट में बढ़ाया तो उसका बच्चा भालू और उसका बच्चा भी आपने बच्चों में अपने सोमैक पर हाई मौत का शिकायत हो गए। वन विभाग द्वारा शवों को कब्जे कर दी गयी। वन विभाग की ओर सोमैक को अवाज से जंगल में भाग गए। वन विभाग संस्कारित करका कर दी गयी।

मुकेश कुमार, डलहानी

शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर नराजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कोहलड़ी के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण

ऊना। विद्यालय की ओर सोमैक पर हाई मौत का शिकायत हो गया। वन विभाग की ओर सोमैक को अवाज से जंगल में भाग गए। वन विभाग संस्कारित करका कर दी गयी।

शिक्षा मंत्री ने किया कोहलड़ी स्कूल के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण

ऊना। विद्यालय की ओर सोमैक पर हाई मौत का शिकायत हो गया। वन विभाग की ओर सोमैक को अवाज से जंगल में भाग गए। वन विभाग संस्कारित करका कर दी गयी।

मुकेश कुमार, डलहानी

शिक्षा मंत्री ने किया कोहलड़ी स्कूल के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण

ऊना। विद्यालय की ओर सोमैक पर हाई मौत का शिकायत हो गया। वन विभाग की ओर सोमैक को अवाज से जंगल में भाग गए। वन विभाग संस्कारित करका कर दी गयी।

मुकेश कुमार, डलहानी

शिक्षा मंत्री ने किया कोहलड़ी स्कूल के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण

ऊना। विद्यालय की ओर सोमैक पर हाई मौत का शिकायत हो गया। वन विभाग की ओर सोमैक को अवाज से जंगल में भाग गए। वन विभाग संस्कारित करका कर दी गयी।

मुकेश कुमार, डलहानी

शिक्षा मंत्री ने किया कोहलड़ी स्कूल के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण

ऊना। विद्यालय की ओर सोमैक पर हाई मौत का शिकायत हो गया। वन विभाग की ओर सोमैक को अवाज से जंगल में भाग गए। वन विभाग संस्कारित करका कर दी गयी।

मुकेश कुमार, डलहानी

शिक्षा मंत्री ने किया कोहलड़ी स्कूल के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण

ऊना। विद्यालय की ओर सोमैक पर हाई मौत का शिकायत हो गया। वन विभाग की ओर सोमैक को अवाज से जंगल में भाग गए। वन विभाग संस्कारित करका कर दी गयी।

मुकेश कुमार, डलहानी

शिक्षा मंत्री ने किया कोहलड़ी स्कूल के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण

ऊना। विद्यालय की ओर सोमैक पर हाई मौत का शिकायत हो गया। वन विभाग की ओर सोमैक को अवाज से जंगल में भाग गए। वन विभाग संस्कारित करका कर दी गयी।

मुकेश कुमार, डलहानी

शिक्षा मंत्री ने किया कोहलड़ी स्कूल के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण

ऊना। विद्यालय की ओर सोमैक पर हाई मौत का शिकायत हो गया। वन विभाग की ओर सोमैक को अवाज से जंगल में भाग गए। वन विभाग संस्कारित करका कर दी गयी।

मुकेश कुमार, डलहानी

शिक्षा मंत्री ने किया कोहलड़ी स्कूल के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण

ऊना। विद्यालय की ओर सोमैक पर हाई मौत का शिकायत हो गया। वन विभाग की ओर सोमैक को अवाज से जंगल में भाग गए। वन विभाग संस्कारित करका कर दी गयी।

मुकेश कुमार, डलहानी

शिक्षा मंत्री ने किया कोहलड़ी स्कूल के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण

ऊना। विद्यालय की ओर सोमैक पर हाई मौत का शिकायत हो गया। वन विभाग की ओर सोमैक को अवाज से जंगल में भाग गए। वन विभाग संस्कारित करका कर दी गयी।

मुकेश कुमार, डलहानी

शिक्षा मंत्री ने किया कोहलड़ी स्कूल के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण

ऊना। विद्यालय की ओर सोमैक पर हाई मौत का शिकायत हो गया। वन विभाग की ओर सोमैक को अवाज से जंगल में भाग गए। वन विभाग संस्कारित करका कर दी गयी।

मुकेश कुमार, डलहानी

शिक्षा मंत्री ने किया कोहलड़ी स्कूल के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण

ऊना। विद्यालय की ओर सोमैक पर हाई मौत का शिकायत हो गया। वन विभाग की ओर सोमैक को अवाज से जंगल में भाग गए। वन विभाग संस्कारित करका कर दी गयी।

मुकेश कुमार, डलहानी

शिक्षा मंत्री ने किया कोहलड़ी स्कूल के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण

ऊना। विद्यालय की ओर सोमैक पर हाई मौत का शिकायत हो गया। वन विभाग की ओर सोमैक को अवाज से जंगल में भाग गए। वन विभाग संस्कारित करका कर दी गयी।

मुकेश कुमार, डलहानी

शिक्षा मंत्री ने किया कोहलड़ी स्कूल के नवनिर्मित भवन का लोक

‘पोरी’ मेले में होता है जनजातीय ग्रामीण संस्कृति की संपूर्णता का दिव्यदर्शन

किसी भी अंचल विशेष में निवास करने वाले लोगों का जीवन दर्शन उनकी मान्यताओं, जीवन मूल्यों और संस्कारों के ताने-बाने में गुफित होता है। कालांतर में यही आदर्श उनकी सांस्कृतिक थाती का आधार बनकर लोगों के जीवन को नया आयाम देते हैं। लाहुल घाटी में ऐसे अनेक मेले एवं त्योहार हैं जो यहां के लोगों को भ्रातृत्व का संदेश देते हुए एकता और अखंडता के सूत्र में बांधे रखते हैं। मेले और त्योहार लोकजीवन की धूरी हैं। ये समाज की सामाजिक, सांस्कृतिक और धर्मिक जीवन की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम बनकर आगामी पीढ़ी को परंपरागत जीवन मूल्यों का बोध कराते हैं। लाहुल घाटी के मेले और त्योहार यहां की जलवायु पर आधारित हैं। यहां अधिकतर मेलों का आयोजन गर्मियों में होता है और मुख्य त्योहारों का संबंध शीत क्रृतु से है। भले ही यहां की ऊंची चोटियां ठंडी बर्फ से कठोर हो जाती हैं, लेकिन चिर-प्रतीक्षित त्योहारों की रंगत, शुर की खुशबू, रोट और टोड़ू के अर्पण तथा दीपक का प्रकाश लोगों के हृदय में संवेदनशीलता के भाव जगाते हैं। यहां मेले और त्योहार लोगों की आंखों की चमक को कभी धूमिल नहीं होने देते। बचपन की स्मृतियों में कैद पोरि मेले का एक दर्शन द्रष्टव्य है।

राज्यस्तरीय पोरि मेला आरंभ हो गया है। घर में बच्चे सबसे ज्यादा उत्साहित हैं, क्योंकि उनकी दो जोड़ी आंखें में नए कपड़े तैर रहे हैं। रात को उठकर कई बार नए कपड़े पहनते हैं और फिर उतार कर सिरहाने के नीचे छुपा कर सो जाते हैं। मेमनों को चराने की जिम्मेदारी बच्चों की है, इसलिए सुबह जल्दी-जल्दी उठ कर उड़ते चराना हैं, ताकि दिन को पोरि मेले का आनंद लिया जा सके। घर में सगे-संबंधियों की धूम है। मेला देखने जाना है। पारंपरिक वस्त्रों और आभूषणों से सुसज्जित लोगों के चेहरे फूलों की भाँति खिले हुए हैं। गेंदे के फूलों से सजी टोपियां तथा और बाहों में चूड़ियों की खनक अंतर्मन की पीड़ा को कम कर देती हैं। बुजुर्ग ऊनी कतर (चोला) तथा घास के रेशों से बने हुए पूलों (जूतों) में ही प्रसन्न हैं। स्त्रियों का रंग-रूप तो मानो प्रकृति के साथ घुल मिल सा गया है। त्रिलोकनाथ अर्थात् तुन्दे नगरी में मनाया जाने वाला पोरि मेला जनजातीय ग्रामीण संस्कृति की संपूर्णता का दिव्यादर्शन कराता है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेल स्पर्धाएं और शोभायात्रा आकर्षण :- राणावंश के हामिर बर्धाइम द्वारा शिव व पार्वती के विवाह की स्मृति में त्रिलोकनाथ को समर्पित यह पावन मेला श्रावण मास के अंत में शुरू होकर भाद्रपद मास के प्रथम या द्वितीय रविवार को संध्या के समय नुआला अनुष्ठान के साथ संपन्न हो जाता है। तीन दिनों तक चलने वाले इस पोरिम मेले के पूर्व ही अस्थायी दुकानें सज जाती हैं। मेले में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ खेल-कूद प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाता है, जिसमें खेल प्रेमी बढ़-चढ़ कर उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं। इस बीच एक शोभायात्रा निकाली जाती है जो देव वाद्यों की घन गर्जना के साथ मंदिर की परिक्रमा करते हैं। संभवतया राणावंश की राज्यवंश परंपरा में बर्धाइम की उपाधि इन्होंने राजा हर्षवर्धन की भाँति अपने पूर्वजों से ली होगी। चंबा के राजाओं में भी अपने नाम के साथ वर्मन उपनाम जोड़ने की परंपरा रही है।

ऐसे पड़ा 'पोरी' नाम:- पोरी मेला 'पुरी' शब्द का अपभ्रंश रूप जान पड़ता है। वास्तव में पुरी या पुर शब्द स्थान विशेष को बसाने वाले व्यक्ति की स्मृति को स्थायी बनाने के लिए संज्ञा के साथ जोड़ा जाता है। जैसे-शिवपुरी, ब्रह्मपुरी, जगन्नाथपुर और उदयपुर आदि। भारतीय हिंदीकोश के अनुसार पुरी का अर्थ 'नगरी, नदी, शहर' है। वर्धा हिंदी शब्दकोश में पौर का अर्थ नगर या पुर-संबंधी दिया है। अतः पोरि शब्द का अर्थ नगर या पुर के आसपास ही ठहरता है। यह शब्द क्षेत्र विशेष का भी द्योतक हो सकता है, क्योंकि क्षेत्र विशेष के लिए पत्तन, पुर, नगरी अथवा ग्राम का प्रयोग होता आया है।

प्रधाग हता आवा ह।

एमआर ठाकुर, 'लाहुल की बोलियों का भाषा वैज्ञानिक अध्यन' नामक लेख में कलहण की राजतरंगिणी में आए हुए 'पत्तन' शब्द का उल्लेख करते हुए लिखते हैं - ग्रामयुतसहस्रां पत्तनं ज्ञायते बृथैः । तत्रापि सारं नगरं तत्पौराः पुरवासिनः अर्थात् दस सहस्र ग्राम वाले स्थान को पत्तन कहते हैं उसमे भी मूल (सारं) को नगर कहते हैं। वहां के रहने वाले को पौर (पुरवासी) कहते हैं। 'आर्यों की रक्षा व्यवस्था में दुर्गों का विशेष महत्व था जिन्हें 'पुर' कहा जाता था। ये दुर्ग पाषण-निर्मित या धातु-निर्मित होते थे जिनके चारों ओर प्रायः लकड़ी की चारदीवारी बनी रहती थी या खाईयाँ खुदी रहती थीं। जगमोहन बलोखरा पोरि' शब्द को संस्कृत पर्व का तद्वच रूप मानते हैं। कलई में इसे पोर कहते हैं।

लाहुल को पार्वती का मायका कहा जाता है:- लाहुल की अनुश्रुतियों में लाहुल को पार्वती का मायका कहा जाता है। एक जनश्रुति के अनुसार, शिव और पार्वती की बरात तांदी संगम के पार्श्व की पहाड़ी से हो कर कैलाश की ओर गई थी, जहां से बरात कैलाश की ओर निकली थी वहां आज भी पहाड़ियों में श्वेत और लाल पट्टिका दाढ़ी है। शिलाग्राम में द्विपालन के चार में द्विलाप्त करने वाले असेहे प्रतिष्ठिती

द्रष्टव्य है। शिवपुराण में हमवान के नगर में निवास करने वाले अनेक पुरवासिनों स्त्रियों द्वारा भगवान शिव के दर्शन कर अपने जीवन को सार्थक करने का भी विवरण मिलता है। आज से चार दशक पहले मे-जागर के आठ दिन पूर्व बाए-मे-जादर का भी आयोजन किया जाता था। प्रथ या द्वितीय आश्विन (अक्टूबर) के आसपास मां मृकुला को समर्पित मां-जागर के अवसर पर स्थानीय ठाकुर घुड़दौड़ का आयोजन किया करता था, जिसमें सभी धोड़ों को निर्धारित स्थल पर ले जाकर राहं-दो (घुड़दौड़) करवाया जाता था। इस प्रतियोगिता में स्थानीय ठाकुर के अतिरिक्त उनके नौकर-चाकर तथा खास लोग सम्मिलित होते थे। इन प्रतियोगिताओं का आयोजन एक बड़े मैदान में किया जाता था, जिसे सेरी कहा जाता था। ये आयोजन त्रिलोकनाथ में 'ब्लाडी सेरी' तथा 'मे-सेरी', हड्डूका में 'कुकुमसेरी' तथा उदयपुर में 'कोडी मुत्ति' नामक स्थानों में संपन्न किए जाते थे। कार्तिक मास में भ्यार-जादर के अवसर पर सभी गांव वाले म्हरपिणी, दूध-दही तथा छड़ आदि लेकर इस धार्मिक अनुष्ठान में शामिल होते थे। बाद्य यंत्रों की धुनों पर नाच-गान होता था और आसपास के सभी लोग इस उत्सव में सम्मिलित होते थे। मात्र कुछ औपचारिकताओं के साथ आज धीरे-धीरे ये सभी अनुष्ठान या तो विलुप्त होते जा रहे हैं या लगभग दम तोड़ चुके हैं।

शुक्रवार का भ-जागर का सुबह मादर म स्थापत त्रिलोकनाथ का पूजा-अचना का जाती है। वर्ष में पांच बार त्रिलोकनाथ जी का पंचमृत से मांगलिक स्नान किया जाता है, इस अवसर पर मंदिर का पुजारी लामा, स्थानीय कारदार व गांव के अन्य लोग श्रद्धा-भाव से सम्मिलित होते हैं। यह मांगलिक स्नान उदन, खोल, कुंह, भ्रेशु तथा योर के पावन अवसर पर ग्रहों व नक्षत्रों की शुभ योजना पर विधिवत विचार करने के पश्चात् कराया जाता है।

लोग श्रद्धा भाव से से लाते हैं दध-दही:- लोग श्रद्धा भाव से अपने-अपने घरों से

लाल श्रद्धा भाव से लालत हूँ दूध-दहोः— लाल श्रद्धा भाव से अपने-अपने बरा से दूध-दही ले आते हैं। त्रिलोकनाथ की पूजा-अर्चना के साथ ही दर्शकों की भीड़ धनी होती जाती है और श्रद्धालुओं में दर्शन करने की होड़ सी मच जाती है। एक शोभायात्रा निकाली जाती है जो देव वाद्यों की घन गर्जना के साथ मंदिर की परिक्रमा करते हुए निह-मुत्ति अर्थात् सतधारा के दाहिने पार्श्व में स्थित भवानी कुंड की ओर प्रस्थान करती है। मंदिर का ध्वज भी साथ-साथ लहराता जाता है। त्रिलोकनाथ का टाकुर इसकी अगुआई करते हुए अपने घोड़े पर सवार हो कर आगे-आगे चलते हैं। वाद्यों यंत्रों को अब राश नामक स्थान में ही छोड़ दिया जाता है। पहले इन्हें ऊपर भवानी कुंड तथा सतधारा तक ले जाते थे।

तथा सतधारा तक ल जात थ ।

कोर्ट के आदेश के आद बलि पर प्रतिबंधः- पहले इस कुंड में भेड़ की बलि चढ़ाई जाती थी, लेकिन न्यायालय के निर्देशों के पश्चात निर्बाध गति से चली आ रही यह परंपरा अब बंद हो चुकी है। मे-जागर के पावन अवसर पर सभी देवी-देवताओं और चारागाहों में भेड़पालकों के रूप में आए हुए गहियों को पोरि मेले में आमंत्रित किया जाता है। भवानी कुंड में भी मां से तुने नगरी में आयोजित होने वाले पोरि मेले में पधारने की विनती की जाती है। भवानी कुंड में पूजा-अर्चना करने के बाद ये शोभायात्रा जुलूस की शक्ति में हिंसा स्थित नाग मंदिर पहुंचती है, जहां नाग मंदिर का पुजारी जलता हुआ हाल्डा ले कर पहले से सनद बैठता है। हिंसा गांव के लोग दल बांधकर फूलों से सुसज्जित टोपी और पारंपरिक परिधानों में, हाथों में म्हरपिणी दूध-दही के पात्र और धूप-दान करते हुए स्वागत-सत्कार के लिए तैयार बैठे होते हैं। अपराह्न लगभग चार बजे के बाद लोग त्रिलोकनाथ जा कर सुबह की तैयारियों में जुट जाते हैं, जबकि हिंसा के लोग रात को जागर में बैठे रहते हैं। जागर में बैठने की प्रथा अब लगभग बंद हो चुकी है। दूसरे दिन अर्थात् शनिवार को भगवान त्रिलोकीनाथ के मंदिर से शोभायात्रा निकाली जाती है, जिसमें स्थानीय ठकुर मंदिर के कारदार तथा गणमान्य लोग इस शोभायात्रा में शामिल होते हैं।

शोभायात्रा में घुमाया जाता है घोड़ा:- एक घोड़े को भी घुमाया जाता है जिसकी पीठ कपड़े से ढकी होती है। माना जाता है कि इस घोड़े पर त्रिलोकनाथ जी विराजमान होते हैं। परिक्रमा के पश्चात घोड़े की पीठ पसीने से लथपथ हो जाती है। उसके पश्चात घोड़े को राणा के घर ले जाते हैं, जिस पर सवार होकर राणा शोभायात्रा के साथ सम्मिलित होकर अपने निजी सेवकों के साथ मेला स्थल के पास बने घर की छत में बैठ जाता है और मेले का आनंद लेता है। पारंपरिक परिधानों से सुन्जजित वादकों के साथ-साथ वाद्ययंत्रों की धुनों पर थिरकते लोगों के पांव स्वतः ही

शोभायात्रा में शामिल हो जाते हैं।

जय-जयकार कर सहो की तरफ बढ़ते हैं लोग:- लोग जय-जयकार लगाते हुए सहो की तरफ बढ़ते हैं। सहो में करछोद किया जाता है। सहो शब्द सौह का अपप्रंश रूप है। सौह देवता के प्राणगण को कहते हैं, जहां देवता का रथ सज धज बिराजता है धार्मिक कृत्य होते हैं, नृत्य होते हैं, देवता नाचता है, गुरु नाचते हैं, प्रजा नाचती है, हर देवता के गांव में मंदिर के समीप अपनी-अपनी सौह होती है। रविवार के दिन मणिमहेश जाने वाले श्रद्धालुओं की सुंदर शोभायात्रा देखते ही बनती है। राणावंश के लोग अन्य गणमान्य लोगों के साथ पर्किबद्ध हो कर मणिमहेश जाने वाले सभी श्रद्धालुओं का स्वागत-सत्कार करते हैं। पारंपरिक परिधानों, आभूषणों और फूलों से सुसज्जित महिलाएं सुंदर, व्यवस्थित और अनुशासित भाव से अपने-अपने हाथों में धुणीभांडी, म्हरपिणी, दूध, दही, मक्खन तथा 'छड़' के सुसज्जित पात्रों के साथ स्वागत-सत्कार के लिए पर्किबद्ध हो कर सन्नद रहते हैं। श्रद्धालु पात्रों में रखे पदार्थों को पूर्वाभिमुख हो कर फूल, दूब और शुर की पत्तियों से अर्पित करते हुए बढ़ते हैं। सभी श्रद्धालु बारी-बारी से म्हरपिणी को दाहिने हाथ से तीन बार इष्ट देव को अर्पित करते जाते हैं और चौथा अपने मुख में डाल देते हैं। तदन्तर एक महीन अंगुली मक्खन का तिलक करती हुई स्वतः ही बढ़ी चली आती है।

चेले और गूर देववाणी में देते हैं आशीर्वादः- चेले और गूर सभी यात्रियों को देववाणी में आशीर्वाद देते हैं और सुखद यात्रा की कामना करते हैं। साथ ही कुछ आवश्यक हिदायतें भी देते हैं ताकि यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। इस प्रकार तीन दिनों तक चलने वाला यह मेला रविवार को संध्या के समय नुआला अनुष्ठान के साथ संपन्न हो जाता है।



राज्य स्तरीय पोरी मेले की हार्दिक शुभकामनाएं

“भगवान् श्री ग्रिलोकीनाथ की जय”

देवभूमि हिमाचल प्रदेश के पूर्व-उत्तर दिशा में जिला लाहौल स्पीति के उदयपुर उपमंडल से लगभग 10 किलोमीटर दूरी पर चन्द्रभागा के बाएं तरफ श्री भगवान त्रिलोकीनाथ जी का लगभग दसवीं शताब्दी में निर्मित पुरातन मन्दिर स्थित है। इस मन्दिर में जो मूर्ति स्थापित है जिसकी चार भुजाएँ हैं व मूर्ति के सिर पर एक मूर्ति विद्यमान है। मान्यताओं के अनुसार जिसे अनाज गुरु माना जाता है। त्रिलोकीनाथ जी को सर्व धर्म के लोग पूजते हैं। खासकर लाहौल में हिन्दू व बौद्ध दोनों धर्मों के लोग पूजते हैं, जहां हिन्दू भगवान शिव के रूप में पूजते हैं तो वहीं बौद्ध धर्म के लोग अवलोकितेश्वर मानते व पूजते हैं। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार इस मन्दिर को चार धारों में से एक धाम भी माना जाता है।

- 1.** मन्दिर न्यास द्वारा श्रद्धालुओं के रहने के लिए पर्याप्त मात्रा में कमरें व विस्तरें उपलब्ध करवाए जाते हैं। व एक ओर 12 सेट कमरों का सराय भी इस वर्ष तक बन कर तैयार हो जाएगा। **2.** मन्दिर न्यास द्वारा त्रिलोकीनाथ बस स्टैंड से मन्दिर तक व मन्दिर के चारों तरफ स्ट्रीट लाईट की व्यवस्था रात्रि के समय श्रद्धालुओं व स्थानीय जनता के लिये की है और इनका सारा मासिक विल न्यास द्वारा वहन किया जाता है। **3.** मन्दिर न्यास द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु पार्किंग व्यवस्था पोरी मेला ग्राउंड त्रिलोकीनाथ में किया जाता है। व भविष्य में एक ओर जगह (फाड) पार्किंग बनाया जाना प्रस्तावित है। **4.** त्रिलोकीनाथ मन्दिर परिसर व शौचालयों में सफाई के लिये सेवादारों/मेहतरों की नियुक्ति की गई है व श्रद्धालुओं के स्नान हेतु अप्रैल से नवम्बर तक सोलर गीज़र से गर्म पानी उपलब्ध किया जाता है। **5.** श्रद्धालु अपनी इच्छानुसार त्रिलोकीनाथ जी को रूपए 50/- से लेकर रूपए 1000/- तक का दीया चढ़ा सकते हैं जो कि मन्दिर के कर्मचारियों द्वारा उपलब्ध करवाया जाता है।

ਮੇਲੋ

- 2. भ्यार अज़ी मेला:-** यह मेला तीन वर्ष के पश्चात सातधारा नामक स्थान जो कि ग्रिलोकीनाथ से लगभग 3 किमी की दूरी पर स्थित है मनाया जाता है।
3. राज्य स्तरीय पोरी मेला:- इस मेले का आयोजन प्रतिवर्ष 15 अगस्त के बाद के प्रथम शुक्रवार से तीन दिन के लिए मनाया जाता है। इस वर्ष यह 16 अगस्त से 18 अगस्त 2024 को मनाया जा सकता है।

मेहर सिंह (नायव तहसीलदार)
मन्दिर अधिकारी, त्रिलोकीनाथ
मन्दिर न्यास उदयपुर

केशव राम (हि०प्र०से०)
उपमण्डलाधिकारी ना०-एवं
अध्यक्ष त्रिलोकीनाथ मन्दिर ब्यास

राहुल कुमार (भा०प्र०स०)
उपायुक्त लाहौल स्पीति-एवं
आयुक्त त्रिलोकीनाथ मन्दिर न्यास

